

SHAPE ASSESSMENT

God takes ordinary people and accomplishes extraordinary things through them!

God never wastes anything. The Bible says you are "wonderfully made" and are a combination of many different factors. By identifying and understanding these factors, your SHAPE, you can discover God's will for your life.

Name: _____

Email: _____

Date: _____

Within one week of completing your SHAPE Assessment, you will receive an email from us with the results.

SPIRITUAL GIFTS

Answer each statement on a scale of 1 to 5, where 1 sounds least like you and 5 sounds most like you.

1. I am willing and able to learn executive skills such as planning, organizing, and delegating.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

2. I do well in evaluating results from studies on the effectiveness of a major church program.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

3. I am able to organize ideas, people, things and time for more effective ministry.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

4. I am able to lead a committee or group in making decisions together.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

5. I am able to recruit Christians to express their strengths or fits in service.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

6. I am effective in delegating responsibility to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

7. I am able to plan action goals for ministry with others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

8. I can win wide acceptance from church members for major changes involving effective procedures.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

9. I am warm towards and cooperate in my church's foreign missions emphasis.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

10. I am frustrated when there is little opportunity to minister to those of different customs or language.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

11. I am concerned to take part in starting a new local church.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

12. I desire to serve in a cross-cultural situation.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

13. I enjoy soul winning or witnessing in an unfamiliar setting.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

14. I adapt well in a different culture in order to evangelize, to minister the Word, or to be a support person to such ministers.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

15. I have or could learn another language well enough to help start a church.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

16. I am able to help in starting new churches in a different language and culture.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

17. There are times I sense that a particular teaching is unbiblical.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

18. I receive affirmation from mature Christians that I am able to distinguish spiritual untruth from supernatural insights.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

19. I am able to differentiate between demonic influence and mental illness.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

20. I see the difference between truth and error.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

21. I judge well between the inadequate and the acceptable, or between evil and good.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

22. I have insights that help me discern any errors in a Biblical interpretation given by another.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

23. I am able to identify that which is false to Christ's teachings.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

24. I can see through phonies before their falseness is clearly evident to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

25. I enjoy sharing the message of the Gospel as I understand it.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

26. I wish to relate to non-Christians so I can share my faith.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

27. I am at ease in sharing how Christ is my Savior and Lord.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

28. I am concerned to communicate my personal relationship with Christ to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

29. I enjoy being an instrument of God in 'drawing the net' so that unbelievers receive Christ as Savior.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

30. I share joyfully what Christ has done for me.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

31. Unbelievers understand when I explain what it means that Jesus is the Christ.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

32. I would remain spiritually strong in the company of unbelievers and would use every opportunity to win some to Christ.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

33. I am accepting of persons deeply troubled or in crisis.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

34. I am sensitive and sympathetic to persons who seem to be suffering or mentally ill.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

35. I am willing to be called alongside another person seeking my encouragement, challenge, or advice.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

36. I have compassion towards those who are broken hearted, addicted or oppressed.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

37. I verbally encourage the weak, wavering or troubled.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

38. I verbally challenge the spiritually apathetic.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

39. I would feel comfortable being an instrument for dislodging the complacent and redirecting the wayward in face-to-face encounters.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

40. I am able to counsel effectively the perplexed, guilty or addicted.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

41. I have assurance that God answers prayers.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

42. I feel joy in persisting in prayer for specific needs.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

43. I depend upon God's resources and guidance to an unusual degree.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

44. I am comfortable around people who pray a lot for others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

45. I trust in the presence and power of God for the apparently impossible.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

46. I have a conviction that God is active in my daily affairs.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

47. I believe God will keep his promises in spite of circumstances.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

48. I have received from God an unusual assurance that he would fulfill some purpose.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

49. I feel deeply moved when confronted with the urgent financial needs of others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

50. I am willing to maintain a lower standard of living to benefit God's Word.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

51. I consider all that I own or am as resources for stewardship to God.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

52. I am concerned that the money I give be used as efficiently as possible for God.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

53. I give cheerfully that God's work be extended and helped.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

54. I give things freely and with delight because I love God.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

55. I am able to earn much money for giving to the Lord's work.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

56. I manage money well in order to give liberally to God's work.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

57. I get much satisfaction from hosting persons who need ministry at my home.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

58. I am comfortable with opening my home to others regardless of how neat or clean it is.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

59. I am willing to use my home furnishings and personal belongings to serve others outside my immediate family.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

60. I take pleasure with an open heart in using our home to serve people in need of shelter or healing.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

61. I am happy to add someone to our family temporarily in order to provide a helping or healing ministry.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

62. I have a knack for helping strangers feel at home.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

63. I am comfortable with graciously providing food and lodging to those in need.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

64. I show a genuine graciousness towards and appreciation of each guest at my/our home.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

65. I am concerned to read, study and learn Biblical truths.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

66. Paul's concern (Col. 1:10) that I be 'increasing in the knowledge of God' is something I take seriously.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

67. I am moved to study Scriptures so as to be unashamed in accurately handling it.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

68. I long to share with others the Biblical insights I discover.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

69. I learn Biblical truths easily.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

70. I readily acquire and master facts and principles of Biblical truths.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

71. I have the ability to discover Biblical principles for myself.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

72. I have insights into Biblical truths that bring conviction to my mind and heart.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

73. I find it easy to motivate others to follow through on a ministry project.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

74. I would enjoy guiding a group of people to achieve their desired ends.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

75. I often assume responsibility when no official leaders are designated.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

76. I am willing to persuade others to move towards Biblical objectives.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

77. I usually know where I am going and can influence other Christians in that direction.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

78. Normally my Christian character, lifestyle and behavior seem to motivate others to follow me.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

79. Others follow me because I have knowledge or skills effectively used in serving my church.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

80. I am able to adjust my leadership style so it is appropriate for the maturity of those working with me.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

81. I hurt for others who are poverty-stricken, physically sick, a stranger, or imprisoned.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

82. I desire to do acts of love and kindness for those who cannot or will not return them.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

83. I am content to serve the suffering or undeserving.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

84. I am cheerful, available and involved in hospital, prison, or similar visitation.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

85. I work joyfully with persons ignored by the majority.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

86. I would enjoy visiting in hospitals or elderly homes and being an agent of blessing to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

87. I have the ability to spare other persons from punishment or penalties they justly deserve.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

88. I am able to talk cheerfully with prisoners, or lonely shut-ins.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

89. I am concerned to verbalize Biblical truths which build, encourage, and comforts groups of believers.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

90. I enjoy sharing a hymn, lesson or Bible interpretation so that all believers present may learn.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

91. I prefer congregational preaching which explains and applies Biblical truths.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

92. I am not afraid to speak boldly about evil in worldly systems, such as government.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

93. 'Telling forth' for God by instructing and warning large numbers of His people is my style.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

94. I communicate truths of God in a clear compelling fashion to large audiences.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

95. I proclaim God's truth in an inspiring and enthusiastic way.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

96. I have been able to reveal God's future events in general terms through Bible teaching.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

97. I am ready to commit myself to care for the spiritual welfare of a group of young Christians.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

98. I sense a need to select disciples and equip them to serve one another.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

99. I enjoy having responsibility for the growth of a group of Christians.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

100. I am concerned to guard my group of Christian followers from those who name themselves as enemies of Christians.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

101. It is important to me to know and be well-known by followers I serve and guide.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

102. I sacrificially give of myself for young or straying Christians.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

103. I am able to feed followers in Christ by guiding them through selected Bible passages.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

104. I am able to restore persons who have wandered away from Christian community.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

105. I usually have a readiness to take on helping roles.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

106. I would rather be a supportive background person than a 'performer.'

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

107. I am satisfied to express my skills by helping others in charge.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

108. I am content to perform menial jobs or jobs considered unimportant by other people.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

109. I enjoy typing, filing, recording minutes, or similar church-related tasks.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

110. Ushering, cleaning , or supporting tasks in a church-related facility suits me well.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

111. I am able to be a teacher's aide in a class, or to do a similar helping task.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

112. I can assist key leaders who 'pray and minister the word' (Acts 5) by taking some of their other responsibilities.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

113. I have a strong conviction that Biblical truths should be understood accurately and be applied to current living.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

114. I enjoy knowing the meaning of key words in Scripture.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

115. I believe that the teaching-learning process is vital to local church growth.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

116. I have a strong concern to relate Biblical truths to life.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

117. I have the ability to concisely instruct listeners in the precise meaning of words and passages in Scripture.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

118. I explain well the New Testament to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

119. When I communicate Biblical truths to others, it affects changes in knowledge, attitudes, values or conduct.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

120. I can make difficult Biblical truths understandable to others.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

121. I have a reverence for God and His will for my life.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

122. I effectively solve problems using Biblical principles.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

123. Others often ask me for workable ideas or alternatives.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

124. I am concerned that interpersonal relationships be peaceable, reasonable, and without partiality of hypocrisy.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

125. I apply Biblical truths effectively in my life.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

126. I make what appears to be correct decisions for my life.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

127. The choices I make for activities in Christian service usually work well.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

128. My nominations for church positions often prove to be good selections.

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

HEART

Three things I love to do:

Who I love to work with most, and the age or type of people:

Church issues, ministries, or possible needs that excite or concern me the most:

If I knew I couldn't fail, this is what I would attempt to do for God with my life:

ABILITIES

My current vocation:

Other jobs I have experience in:

Special talents/skills that I have:

I have taught a class or seminar on:

I feel my most valuable personal asset is:

PERSONALITY

Select where you lean in these differing personality traits:

Extroverted Introverted

Thinker Feeler

Routine Variety

Reserved Expressive

Cooperative Competitive

EXPERIENCE

My Testimony of how I became a Christian:

Other significant spiritual experiences that stand out in my life are:

These are the kinds of trials or problems I could relate to and encourage a fellow Christian in:

Ministry Experience (Where I have served in the past, if applicable, including Church Name, City/State, Position, Years Involved):
